डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 103 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 23 जनवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया

सरकारी वाहन को लगाई आग, गिरफ्तार

सुवासरा, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र के ग्राम टोकडा में एक बदमाश युवक ने चलित पशु चिकित्सा इकाई के सरकारी वाहन को आग लगा दी। जिससे वाहन धू धू कर जलने लगा। मामले में आरोपी अरविंद पंवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल आरोपी ने वाहन के लिए काल किया था। जिम्मेदार आधा घंटा देरी से पहुंचे तो उसने गुस्से में आकर वाहन को आग लगा दी।

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

आ गए हमारे प्रभु श्री राम

भारत के सांस्कृतिक पुनरोद्धार का अद्भुत ज्वार है यह...

तो प्रभु राम आ गए। भावनाओं के एक अद्भूत देश व्यापी ज्वार के बीच प्रभु श्री राम का अयोध्या में आगमन हो गया। त्रेता में केवल अयोध्या धन्य हुई थी। कलयुग में पूरा देश। एक नई उर्जा के साथ एक नए भारत का उदय हुआ है। यह विशुद्ध दक्षिण पंथी सोच हो सकती है। लेकिन, राम में समग्रता है। वो किसी भी पंथ और विचारधारा से आगे हैं। राम शबरी के भी है और निषादराज के भी। राम वनवासियों के भी हैं और अहिल्या के भी। राम सर्वव्यापी हैं। इसलिए राम और राम के आदर्श और मर्यादाएं सब से उपर हैं।

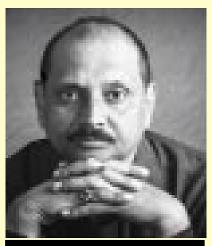

प्रकाश भटनागर

राम भक्ति में डूबे देश को देख कर वो तमाम सियासी दल अपने उस खांटी सियासी दिल पर आज शायद सिर धुन रहे होंगे, जिन्होंने वैचारिक घुन के असर में आकर यह ऐलान और उस पर अमल कर दिया कि वे अयोध्या में सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हुए। क्योंकि उन्होंने भी यह देख और समझ ही लिया होगा कि किस तरह देश राममय हो चुका है और अयोध्या के कार्यक्रम को लेकर लोगों के बीच वह स्वत: स्फूर्त उत्साह है, जो विरले ही दिखाई देता है। किसी समय भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने पर वहां के रहवासियों ने उनके सम्मान में दीपावली मनाई थी। आज अपने आराध्य के लिए असंख्य लोगों के बीच एक- दो नहीं, बल्कि अनगिनत दीपावली जैसा जो जोश दिख रहा है, वह सचमुच इस कालजयी अवसर का विरोध करने वालों के लिए अपने निर्णय पर फिर से सोचने (वह भी शर्म के साथ) का कारण बन चुका है। सारा माहौल भगवामय है। हालत यह कि भगवा ध्वज और श्रीराम की तस्वीरों वाले तमाम सामान बाजार में ढूंढे भी नहीं मिल रहे हैं। ऐसी सामग्री की आपूर्ति से कई गुना अधिक मांग के चलते यह स्थिति बनी है। हर ओर श्रद्धा का वह महासागर दिख रहा है, जिसमें भगवान राम की स्थापना से जुडी श्रद्धा की अनगिनत पवित्र लहरें साफ देखी जा सकती हैं।

इस भावना में गर्जन है, लेकिन बहुत सकारात्मक रूप का। हां, इसका स्वरूप उनके लिए निश्चित ही नकारात्मक है, जो यह पा रहे होंगे कि इन आवाजों में उनकी असहमति का कोई अस्तित्व ही कहीं बाकी नहीं है। यह प्रभु के लिए दिल से श्रद्धा का मामला है, जिसमें किसी विपरीत दलील की कोई गुंजाइश ही नहीं बची। जो शंकराचार्य मंदिर के निर्माण से लेकर आयोजन के मुहूर्त को लेकर मुंह फुलाए बैठे हैं, उनका मुंह भी निश्चित ही यह देखकर खुला का खुला रह गया होगा कि किस तरह आम जनता ने उन्हें अनसुना कर दिया है। यह जता दिया है कि आस्था के आगे और कुछ नहीं है। फिर यह आस्था भी अंधी नहीं कही जा सकती। यदि करीब साढ़े पांच सौ साल की प्रतीक्षा के बाद बहु-प्रतीक्षित पल आया हो तो फिर उससे जुडी प्रसन्नता के आगे मुठ्ठी भर अप्रसन्न स्वरों की भला क्या बिसात रह जाती है? ऐसा ही यहां भी हो गया है।

इस आयोजन का विरोध करने वाले अनेक राजनीतिक दलों की वैचारिक प्रतिबद्धता को समझा जा सकता है। लेकिन कांग्रेस का इस मसले पर जो रुख रहा, वह समझ से परे है। निमंत्रण मिलने के बाद इस पार्टी ने साफ कहा कि उसके दिग्गज नेता आयोजन में शामिल नहीं होंगे, बाकी जो जाना चाहे वो जा सकता है। पार्टी यहीं गच्चा खा गयी। इससे एक साथ सारे देश में संदेश चला गया कि सॉफ्ट हिंदुत्व का नाटक करने वाले इस दल के दिल में आज भी तुष्टिकरण की धड़कन गुंजायमान है। इस पार्टी के वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम जब अपने नेताओं को सलाह देते हैं कि वे भाजपा का विरोध करें, राम का नहीं, तब भीतर निहित संदेश को समझा जाना चाहिए। आचार्य प्रमोद ने तो राममंदिर निर्माण का सीधा श्रेय भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दे दिया है। इस कांग्रेस नेता ने कहा है कि यदि मोदी नहीं होते तो शायद आज राम मंदिर नहीं बन रहा होता। लेकिन के... **शेष पेज 4 पर**

सभी कीजिए घर बैठे रामलला के दिव्य दर्शन

अयोध्या, 22 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को श्रीरामजन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर में श्रीरामलला के बाल विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान पूर्ण किया। वैदिक आचार्य सुनील शास्त्री की अगुवाई में 121 प्रकांड विद्वानो ने संजीवनी योग में मंत्रोच्चार के बीच प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को पूर्ण कराया। अभिजीत मुहुर्त में दोपहर 12 बजकर 29 मिनट से 84 सेकेंड के अंतराल में श्याम वर्ण भगवान के बाल विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके साथ आसमान से हेलीकाप्टर के जरिये मंदिर प्रांगण में पुष्प वर्षा की गई। श्रीरामलला के बाल विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा से पहले स्वर्ण सिंहासन पर विराजमान 1949 से पूजित रामलला की प्रतिमाओ का पूजन पीएम मोदी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में गर्भ गृह में राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद थे। इस दिव्य क्षण का साक्षी बनने मंदिर प्रांगण में कई अजीम हस्तियां उपस्थति थी।

सुबह चार बजे जागेंगे रामलला, दिन में दो घंटे करेंगे विश्राम, आज से ऐसा होगा पूजा का शेड्यूल

अयोध्या, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। राम मंदिर की भव्य प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पूर्ण हो गया है। इसी के साथ 23 जनवरी से राम मंदिर में रामलला की पूजा का विधान तय हो गया है। इसके लिए श्री रामोपासना नाम से संहिता बनाई गई है। नियम के तहत सुबह तीन बजे से पूजन और श्रृंगार की तैयारी होगी। चार बजे रामलला को जगाया जाएगा। पहले पांच बार आरती होती थी, आगे भी वैसे ही होगी।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के अनुसार, रामलला को हर घंटे फल-दूध का भोग लगेगा। हर रोज सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक मंदिर खुलेगा। प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्रद्धालुओं की ज्यादा संख्या को देखते हुए मंदिर में दर्शन की अवधि 14 से 15 घंटे हो सकती है। मंदिर के पुजारियों का कहना है कि 1949 में प्रकट हुए श्री रामलला के वस्त्रों का रंग दिन के अनुसार रहा है। ये परंपरा नए मंदिर में जारी रहेगी। रामलला सोमवार को सामान्य दिनो में सफेद वस्त्र धारण करते हैं, लेकिन विशेष अवसर पर पीले वस्त्र धारण करेंगे। भगवान राम मंगलवार को लाल, बुधवार को हरा, गुरुवार को पीला, शुक्रवार को हल्का पीला या क्रीम कलर, शनिवार को नीला और रविवार को गुलाबी रंग के वस्त्र पहनेंगे। नये बालरूप विग्रह के लिए राम मंदिर ट्रस्ट ने पुणे के हैरिटेज एंड हैंडवीविंग रिवाइवल चैरिटेबल ट्रस्ट से हथकरघे पर कपडे तैयार करवाए हैं। इनकी बुनाई में देश के 10 से 15 लाख कारीगर शामिल रहे हैं।

दिन में इसलिए बंद रहेगा मंदिर...

प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होने के बाद 23 जनवरी से ब्रह्म मुहूर्त में करीब 3 बजे से गर्भगृह की स्वच्छता करने, पूजन और श्रृंगार की तैयारी की जाएगी। 3.30 से 4 बजे के करीब, तय समय पर भगवान के दोनों विग्रह और श्रीयंत्र को मंत्रों से जगाया जाएगा। फिर मंगला आरती होगी। इसके बाद विग्रहों का अभिषेक, श्रृंगार भोग होगा। श्रृंगार आरती होगी। यह 4.30 से 5 तक होगी। सुबह आठ बजे से दर्शन शुरू होंगे। दोपहर, करीब एक बजे मध्याह्न में भोग आरती होगी। दो घंटे दर्शन बंद रहेंगे, भगवान विश्राम करेंगे। दोपहर तीन बजे से दर्शन फिर शुरू होंगे, जो रात 10 बजे तक लगातार जारी रहेंगे। इसी बीच, शाम सात बजे संध्या आरती होगी।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद बोले पीएम मोदी...

'यह राम के रूप में राष्ट्र चेतना का मंदिर'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का प्रण लिया गया था

अयोध्या, 22 जनवरी। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर परिसर में उपस्थित लोगों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, हमारे राम लला आ गए हैं। राम लला अब टेंट में नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा, सदियों की प्रतीक्षा के बाद हमारे राम आ गए हैं। सदियों के अभूतपूर्व धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे प्रभु राम आ गए हैं।

हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। हमारे रामलला अब इस दिव्य मंदिर में रहेंगे। मेरा पक्का विश्वास और अपार श्रद्धा है कि जो घटित हुआ है, इसकी अनुभूति देश के, विश्व के कोने-कोने में रामभक्तों को हो रही होगी। ये क्षण आलौकिक है, ये पल पवित्रतम है। 22 जनवरी, 2024 का ये सूरज एक अद्भुत आभा लेकर आया है। ये कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं, बल्कि ये एक नए कालचक्र का उद्गम है।

मैं प्रभु श्रीराम से क्षमा भी मांगता हूं। हमारे पुरुषार्थ में कोई तो कमी रही होगी कि इस काम को करने में हमें इतना समय लग गया। मुझे पूरा विश्वास है कि प्रभु श्री राम हमें जरूर माफ करेंगे। राम मंदिर के भूमिपूजन के बाद से प्रतिदिन पूरे देश में उमंग और उत्साह बढ़ता ही जा रहा था। निर्माण कार्य देख देशवासियों में हर दिन एक नया विश्वास पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों के उस धैर्य की धरोहर मिली है। आज हमें श्रीराम का मंदिर मिला है।

भारत के संविधान की पहली प्रति में भगवान राम विराजमान हैं। संविधान के अस्तित्व में आने के बाद भी दशकों तक प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को लेकर कानूनी लड़ाई चली। मैं आभार व्यक्त करूंगा भारत की न्यायपालिका का, जिसने न्याय की लाज रख ली। आज गांव-गांव में एक साथ कीर्तन, संकीर्तन हो रहे हैं। आज मंदिरों में उत्सव हो रहे हैं, स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं, पूरा देश आज दीपावली मना रहा है।

मंदिर वहीं बना है, जहां प्रण लिया था: सीएम योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का प्रण लिया गया था। उन्होंने राम मंदिर संघर्ष के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों को याद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षण को जाहिर करने के लिए शब्द नहीं हैं। 500 साल बाद राम लला अपने मंदिर में विराजे हैं। ऐसा लग रहा है मानो हम त्रेता युग में आ गए हों। आज हर घर राम हैं।

पशुपति के दशपुर में श्रीराम का ऐतिहासिक स्वागत

मंदिरों में पूजा-पाठ, चौराहों पर जय श्री राम, सोमवार को राम दीपावली मनी

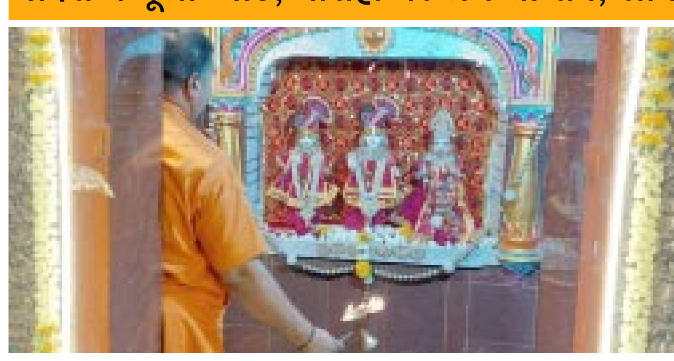

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। श्री अयोध्याजी में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर दशपुर अर्थात मंदसौर में भी अवधपुरी जैसा माहौल रहा। शहर भर में राम धुन, भजन और अखंड रामायण की गूंज सुनाई दी। दिनभर मंदिरों और घरों में विशेष पूजा सुंदरकांड सहित हनुमान चालीसा के पाठ होते रहे। प्रभात फेरियां निकली गई। कई जगहों पर भंडारे भी हुए।

शहर में भगवान पशुपतिनाथ महादेव मंदिर में सुबह रामधुन स्मरण का आयोजन हुआ। इसके बाद शिवना घाट पर महाआरती की गई। मंदिर के सभागृह में एलइडी पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन की लाइव देखा गया। कार्यक्रम में सांसद सुधीर गुप्ता, संत और आमजन शामिल हुए। शाम को शिवना तट पर 61 हजार ..... **शेष पेज 4 पर**

अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर...

प्राण प्रतिष्ठा के दिन घरों में आई खुशियां

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। घरो में वैसे तो बच्चो के जन्म पर खुशी का माहौल होता है। लेकिन, 22 जनवरी को जन्मे बच्चों के परिवार के यहां यह खुशी दुगुनी थी। अवसर था श्री राम की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का। लड़का हो या लड़की अभिभावक और परिवार के सदस्य खुशी से झूम उठे। बड़े अस्पताल में 20 से अधिक डिलेवरी हुई। यही स्थिति निजी अस्पतालो की भी रही। शहर सहित अंचल के सरकारी और निजी अस्पतालों की बात करें तो यह आंकड़ा दुगुने से अधिक था। बड़ी बात यह है कि नामकरण की है। अधिकांश अभिभावकों ने राम के नाम पर ही बच्चो का नाम रखा तो बच्चियों के नाम मां सीता के नाम पर रखे गए। कईयों ने राम और सीता नाम दिए तो कईयों ने राम और सीता के अन्य नाम देकर नामकरण किया। कहीं भूमि या नंदनी तो कहीं रमेश, राघव या .... **शेष पेज 4 पर**

उप मुख्यमंत्री के निर्देश पर कार्यवाही...

सीबीएन अधिकारी आदित्य रंजन को हटाया, ग्रामीणों की शिकायत पर तत्काल एक्शन

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के नारायणगढ़ थाने के ग्राम खेजड़ी में गत दिनों सीबीएन की टीम की दबिश के बाद ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया था। इस मामले में सीबीएन अधिकारियों पर आरोप भी लगे थे। बुधवार को इस संबंध में ग्रामीणों ने उप मुख्यमंत्री और मल्हारगढ़ विधायक श्री जगदीश देवड़ा को शिकायत की थी। श्री देवड़ा ने जांच के आदेश दिए थे। मामला केन्द्र सरकार का होने से उन्होंने सीबीएन के उच्चाधिकारियो से चर्चा कर जांच करने की बात कही थी। इसके बाद सीबीएन अधिकारी आदित्य रंजन को हटा दिया गया। श्री देवड़ा ने इस मामले में उच्च अधिकारियों से चर्चा की और निर्देश दिए कि इस मामले की निष्पक्ष जांच करने के साथ ही भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृति नहीं हो, यह विभाग सुनिश्चित करें।

दरअसल उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा को उदय सिंह चौहान सहित अन्य ग्राम वासियों ने शिकायत की थी कि 18 जनवरी को प्रात: 6 बजे हम परिवार वाले घर में सोए थे, तभी अचानक मेरे घर पर नारकोटिक्स विभाग के पुलिस जवान द्वारा तीन चार फोर व्हीलर से दबिश देने आए। इन्होंने दिवार क्षति ग्रस्त की, एक जवान दिवार फांदकर घर में घुसा। इन्होंने पूरा घर तहस नहस कर दिया और कपड़े की पेटियों के ताले भी तोड़ दिए। दल ने हमें भयभीत किया और लाइसेंस काटने की धमकी दी। इस दौरान नारायण गढ़ थाना प्रभारी भी मौके पर पहुंचे थे।

नेम प्लेट पर लिखा था आदित्य रंजन...

ज्ञापन में बताया गया कि दल के एक सदस्य की नेम प्लेट पर आदित्य रंजन लिखा था। ग्रामीणों ने इस दबिश के बाद भविष्य में भी झूठे केस बनाए जाने की आशंका जाहिर की। ज्ञापन पर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने विभाग के नई दिल्ली कार्यालय में उच्च अधिकारियों से चर्चा की और निष्पक्ष जांच के निर्देश प्रदान किए। इसके कुछ देर बाद ही आदित्य रंजन को नीमच से हटाकर ग्वालियर भेज दिया गया। उनके स्थान पर जावरा सीबीएन के अधिकारी श्री वीके कुमार को नीमच स्थानांतरित किया गया है। उनके पास जावरा व गरोठ का चार्ज अतिरिक्त रहेगा।

श्री अयोध्याजी के नवनिर्मित मंदिर में
श्री राम लला
के विराजमान होने पर समस्त देशवासियो और विश्व में फैले हिन्दू समाज को दिल की गहराई से
हार्दिक शुभकामनाएं
----------बधाईकर्ता----------
झंवर इंटरप्राईजेस
कालीदास मार्ग, मन्दसौर
विनस कम्प्युटर्स
कालाखेत, गौतम नगर, मन्दसौर
जगदीश टी डिपो
कालीदास मार्ग, मन्दसौर
झंवर मेडिकल
नयापुरा रोड़, मंदसौर

श्री अयोध्याजी के नवनिर्मित मंदिर में
श्री राम लला
के विराजमान होने पर समस्त देशवासियो और विश्व में फैले हिन्दू समाज को दिल की गहराई से
हार्दिक शुभकामनाएं
********** शुभेच्छु **********
साजन-सजनी गारमेंट्स
कालीदास मार्ग, मंदसौर
उच्च क्वालिटी के रेडीमेड कपड़ो के विक्रेता
लेडिस, जेन्ट्स एवं किड्स वियर की विशाल श्रृंखला

विचार-मंथन

कोचिंग केंद्रों की मनमानी पर अंकुश लगने की जगी उम्मीद

शिक्षण व्यवस्था कायम है, जिस पर कोई तय नियम-कायदा लागू नहीं है। इसी का नतीजा है कि ये केंद्र अपने कारोबारी होड़ में न सिर्फ बढ़-चढ़ कर दावे करते, झूठे और भ्रामक प्रचार-प्रसार करते, बल्कि विद्यार्थियों को अंधी प्रतियोगिता में हांक देते हैं। इसके चलते विद्यार्थियों के मनोबल पर बुरा असर देखा जा रहा है।

उनमें खुदकुशी की प्रवृत्ति बढ़ रही है। कोचिंग केंद्रों में विद्यार्थियों के लिए बुनियादी सुविधाओं, सुरक्षा उपायों तक का ध्यान रखना जरूरी नहीं समझा जाता। बहुत सारे कोचिंग संस्थान तंग गलियों, छोटे-छोटे कमरों में चलाए जा रहे हैं, जहां किसी हादसे की स्थिति में बचाव का कोई इंतजाम नहीं होता। कुछ जगहों पर आग लगने से विद्यार्थियों की जान जाने का जोखिम पैदा हो गया।

इनमें पढ़ाने वाले अध्यापकों की योग्यता का भी कोई मानक तय नहीं होता। ऐसे संस्थान न केवल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराते, बल्कि स्कूली शिक्षा, बोर्ड परीक्षा आदि में अच्छे अंक और रैंक दिलाने का दावा करते हुए भी चलाए जाते हैं। इस तरह प्राथमिक कक्षाओं के बाद ही बहुत सारे विद्यार्थी कोचिंग केंद्रों के आकर्षण में फंसते देखे जाते हैं। इन्हीं शिकायतों के मद्देनजर अब शिक्षा मंत्रालय ने कोचिंग संस्थानों को विनियमित करने का प्रयास किया है।

शिक्षा मंत्रालय ने दिशा-निर्देश जारी किया है कि कोई भी कोचिंग केंद्र सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों को दाखिला नहीं देगा। अगर कोई ऐसा करता है, तो उस पर एक लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके साथ ही वे अच्छे अंक या रैंक दिलाने के भ्रामक दावे भी नहीं कर सकेंगे। इन केंद्रों में स्नातक से कम योग्यता वाले अध्यापकों की नियुक्ति नहीं की जा सकेगी।

ये दिशा-निर्देश एक तरह से कोचिंग केंद्रों पर कानूनी शिकंजा कसने की मंशा से दिए गए हैं। देखने की बात है कि कोचिंग केंद्र इनका कितना पालन करते हैं। दरअसल, कोचिंग केंद्र व्यवस्थित शैक्षणिक संस्थानों के समांतर एक धंधे के रूप में विकसित हुए हैं। इनके लिए सरकार से किसी तरह की मान्यता लेने की जरूरत नहीं पड़ती।कोई भी व्यक्ति अगर किसी विषय की बेहतर समझ रखता हो, तो वह कोचिंग शुरू कर देता है। अब तो हर शहर में बहुमंजिला और कई शाखाओं वाले कोचिंग संस्थान खुल गए हैं। जिन संस्थानों के नतीजे थोड़े बेहतर हैं, उनमें दाखिले के लिए भीड़ लगती है। राजस्थान के कोटा में तो कोचिंग संस्थानों का एक अलग शहर ही विकसित हो चुका है। कोचिंग संस्थानों के इस विस्तार में अभिभावकों का भी कम योगदान नहीं माना जा सकता।

दसवीं पास करते ही वे अपने बच्चों को इंजिनियरिंग, मेडिकल आदि की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग केंद्रों में दाखिला दिला देते हैं। इस तरह बहुत सारे बच्चों का पंजीकरण तो नियमित स्कूल में होता है, पर वे पढ़ाई के लिए कोचिंग केंद्रों पर जाते हैं।

इस पर रोक लगाने के लिए शिक्षा विभाग ने नियम बनाया था कि नियमित कक्षाओं के वक्त विद्यार्थी कोचिंग नहीं ले सकेंगे। मगर उसका कोई असर नहीं हुआ। कोटा के कोचिंग संस्थानों में खुदकुशी की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर राजस्थान सरकार ने आदेश दिया था कि कोई भी संस्थान साप्ताहिक परीक्षण नहीं करेगा, पर उसका भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

अब शिक्षा मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के बाद कोचिंग केंद्रों की मनमानी पर कुछ अंकुश लगने की उम्मीद जगी है। मगर इस पर कड़ी नजर नहीं रखी गई, तो ये केंद्र फिर कोई गली निकाल लेंगे।

शाकाहार, मांसाहार और अब वीगन आहार...

पूरन चंद सरीन

यह व्यक्ति पर निर्भर है कि वह क्या खाए पिए लेकिन स्वस्थ रहने के लिए शरीर को जरूरी विटामिन, खनिज और अन्य पौष्टिक चीजों की जरूरत होती है। ये तत्व अनाज, सब्जी, दूध, फल, अंडे, मांस, मछली तथा अन्य पदार्थों से मिल जाते हैं। खाने पीने के मामले में अपने से ज्यादा दूसरों की बात नहीं माननी चाहिए। जिसका जो मन करे या स्वाद सुगंध में अच्छा लगे, वही खाया-पिया जाए, किसी का क्या जाता है? यहां तक तो ठीक है लेकिन जब कोई यह कहे कि जो वह खानपान में इस्तेमाल करता है, वही दूसरे भी करें, तब समस्या हो जाती है।

खानपान के प्रकार = आम तौर पर एक तो शाकाहारी होते है जो केवल साग सब्जी, दाल भात, फल, मेवे जैसी चीजों के अलावा कुछ नहीं खाते। दूसरे वे जो यह तो खाते ही हैं लेकिन साथ में पशुओं से प्राप्त चीजें जैसे दूध और उससे बने पदार्थ, शहद, अंडे भी खा लेते है और शाकाहारी ही कहलाते हैं। तीसरे वे जो इन सबके साथ कभी-कभी मांस मछली का भी सेवन कर लेते हैं और मिश्रित शाकाहारी कहे जा सकते हैं। चौथे वे जो मांसाहार के अलावा कुछ नहीं खाते।

यह तो हो गया सामान्य सा वर्गीकरण लेकिन पिछले कुछ वर्षों से दुनिया भर में एक चलन बढ़ रहा है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। यह है सिर्फ और सिर्फ वही खाया जाए जो जमीन में उगता है या पेड़ पौधों से मिलता है। अगर किसी भी पशु से मिला है तो वह उनके लिए खाने योग्य नहीं है। इसमें दुधारू पशुओं से मिलने वाला दूध और उससे बने पदार्थ, मधु मक्खी से मिला शहद और वह सब शामिल है जो किसी भी पशु, पक्षी, कीट आदि से मिला हो। यहां तक तो गनीमत है लेकिन इनके लिए वह सब भी किसी काम का नहीं जो किसी भी रूप में पशु से मिला हो।

जैसे कि भेड़ या किसी अन्य जानवर से मिली ऊन से बने वस्त्र जो इनके लिए वर्जित हैं। अब जहां सर्दी बहुत पड़ती है तो वहां ऊनी कपड़ों की जरूरत तो होगी ही लेकिन यह नहीं पहनेंगे। स्वैटर, शाल, चमड़े की जैकेट, बैल्ट, पर्स या बैग और इसी तरह की दूसरी चीजें जिनको बनाने में किसी भी पशु का इस्तेमाल हुआ हो, चाहे हाथी दांत से कुछ बना है, इनके लिए व्यर्थ है। इसी तरह रेशमी वस्त्र यानी सिल्क की साड़ी, कुर्ता, कमीज कुछ नहीं पहन सकते। मतलब यह कि न ऐसा कुछ खाएंगे या पिएंगे और पहनेंगे जिसका संबंध किसी पशु से हो। ये लोग वेगन कहलाते हैं और हमारे देश का विशेषकर युवा वर्ग और उसमें भी धनी लोग इसे काफी संख्या में अपना रहे हैं। इसे उनका लाइफ स्टाइल कह सकते हैं और कह सकते हैं कि वीगन बनना या कहलाना एक फैशन है।

अब ये लोग अधिकतर पैसे वाले हैं तो ये खान पान और पहनावे में ये सब वस्तुएं रख सकते हैं जिन्हें बनाने के

लिए किसी भी प्रकार से किसी भी पशु से प्राप्त वस्तु का इस्तेमाल न किया गया हो। इनके लिए खास तौर पर वेगन फूड तैयार किए जाते हैं, सिंथेटिक कपड़े बनते हैं, जाहिर है कि इनकी कीमत इतनी होती है कि हर कोई नहीं खरीद सकता। मतलब यह कि यदि स्वस्थ रहना है तो महंगी और ज्यादातर विदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल हो।

अब जो दूध या अंडा कुछ रुपयों का अपनी जरूरत भर मिल जाए और दूसरी तरफ वेगन होने के चक्कर में सैंकड़ों रुपए खर्च हो जाएं तो इसे अमीरों का चोंचला ही कहा जाएगा। यहां एक समस्या और होती है और वह यह कि दूध, पनीर, अंडे से जो पौष्टिकता मिलती है और दूसरी खाने-पीने की चीजों से जरूरी विटामिन, मिनरल और ऊर्जा शरीर को मिलती है, वह न मिलने से शरीर को तो बीमार पड़ना ही है। सोचिए शिशु को दूध न मिले तो वह कितना कमजोर रह जाएगा। युवाओं को अगर पौष्टिक भोजन न मिले तो उनका बौद्धिक विकास रुक जाएगा। इसके लिए वे सब पदार्थ जरूरी हैं जो वेगन के लिए त्याज्य हैं।

वीगन लोगों का कहना है कि अगर उनके आहार में कमी है तो वे दवाइयां ले लेंगे लेकिन प्रश्न यह है कि क्या कोई एलोपैथिक दवा है जिसके बनने से पहले उसकी उपयोगिता की जांच के लिए चूहे, बंदर जैसे जानवरों का इस्तेमाल न किया गया हो। कोविड की डोज का भी परीक्षण बंदर पर हुआ था और उसके लिए विशेष रूप से बंदरों को पकड़वा कर मंगाया गया था। जहां तक आयुर्वैदिक और होम्योपैथिक या यूनानी दवाओं की बात है तो इन्हें एलोपैथी के सामने कुछ नहीं समझा जाता।

स्कैम का खतरा: इस बात की चर्चा भी चल निकली है कि वीगन आहार और वस्त्रों की लोकप्रियता और बिक्री बढ़ाने के लिए मल्टी नैशनल कंपनियों में होड़ लगी हुई है कि कैसे वे अपना माल बेचें। यह एक स्कैम की तरह है जिसके पीछे उद्देश्य यह है कि हमारे जैसे विकासशील देश की अर्थव्यवस्था को कैसे चौपट किया जाए? इसे इस तरह समझना होगा। हमारे देश में पशु पालन, खेतीबाड़ी का हिस्सा है और लगभग दो तिहाई ग्रामीण आबादी इससे जुड़ी है। इसमें गाय भैंस जैसे दुधारू पशुओं के अतिरिक्त भेड़, बकरी, मुर्गी, सुअर से लेकर मधुमक्खी पालन तक के व्यवसाय आते हैं। अनुमान के मुताबिक इन सभी पशुओं की मिलाजुली संख्या तीन सौ करोड़ के लगभग होगी।

प्रश्न शाकाहारी या मांसाहारी होने का नहीं है बल्कि इस सोच का है कि कोई कैसे इतने विशाल पैमाने पर चल रहे ग्रामीण और कुटीर उद्योग को समाप्त करने के बारे में सोच सकता है। खतरा इस बात का है कि यदि वीगन लोग आंदोलन करने लगें और पशुओं से मिलने वाली सभी चीजों पर प्रतिबंध लगाने की मांग करें तो क्या उस स्थिति से निपटने के लिए हम तैयार हैं? पहले ही गौरक्षा आंदोलन नाक में दम किए है। असल में यह प्रश्न पशुओं के ऊपर होने वाले अत्याचार या उनके अधिकारों की रक्षा या वकालत करने का नहीं है बल्कि इसे लेकर बढ़ रही सोच का है। आप व्यक्तिगत रूप से अपने खानपान का निर्धारण कर सकते हैं लेकिन इसकी आड़ में कोई दूसरा एजैंडा चलाना और अफरा-तफरी का माहौल पैदा करना घातक होगा। असल में वीगन सोच की शुरूआत पशुओं पर होने वाले अत्याचार और उनकी हत्या रोकने से हुई थी। यहां तक तो ठीक है क्योंकि निर्दयता को कभी स्वीकार नहीं किया गया चाहे वह मनुष्य के साथ हो या मूक पशु के साथ।

नई ऊर्जा के साथ अपने संकल्पों की यात्रा को यादगार बनाएं

महेश परिमल

पिछले वर्ष के अंत में हममें से बहुत सारे लोगों ने कई छोटे-बड़े संकल्प लिए होंगे। कई योजनाएं बनाई होंगी। कई सपने देखे होंगे। नए-नए विचारों को पाने के लिए नए विकल्प तलाशे होंगे। हमने तय कर लिया होगा कि नए वर्ष के शुरू होते ही हम नई ऊर्जा के साथ अपने संकल्पों की यात्रा को यादगार बनाएंगे। नए वर्ष के आते ही हमने उस पर अमल करना शुरू भी कर दिया होगा।

पर सप्ताह भर बीतते-बीतते हमारे संकल्पों के सारे तटबंध टूटने लगे होंगे। जीवन के वास्तविक धरातल पर रहकर हमने अपनी आंखों से देखे कि किस तरह से संकल्पों का अवसान होता है। कैसे सिर्फ नाम के लिए किए गए संकल्प दरकिनार हो जाते हैं। यह जिंदगी का उसूल है कि संकल्प को पूरा करने के अवसर बहुत कम मिलते हैं। इसके विपरीत संकल्पों को तोड़ने उसे पूरा न होने देने के लिए अवसर बहुत होते हैं। अक्सर ऐसा ही होता है जब हम कोई नया कुछ भी कहें, हम अपना रास्ता नहीं छोड़ेंगे।

बस यहीं यह शुरू हो जाता है हमारी कामयाबी का सफर। संकल्प की पहली शर्त यही है कि हम अपने आप तक ही सीमित रहें। हम अपने इस छोटे-से संकल्प को सदैव याद रखें। फिर हम स्वयं देखेंगे कि कामयाबी किस तरह से हमारे करीब आती है। अपने संकल्प को याद रखने का सबसे अच्छा तरीका है, उसे लिखकर अपनी सबसे जरूरी और महत्त्वपूर्ण जगह पर रख दिया जाए, ताकि रोज हमें हमारा संकल्प याद आ जाए।

संकल्प यानी अपने आप से किया जाने वाले वादा। दूसरों से किया जाने वाला वादा एक बार तोड़ा जा सकता है, भुलाया जा सकता है, पर अपने आप से किया गया वादा तोड़ना जरा मुश्किल होता है। इस वादे में समाई होती है हमारी चाहतें, आकांक्षाएं। अगर हम कभी खुद को ईमानदारी के आईने में देखें, तो पाएंगे कि हम जब भी नाकाम हुए हैं, उसमें हमारी ही कहीं न कहीं कोई गलती थी।

भले ही यह गलती हमने अनजाने में हुई हो। पर गलती की सजा तो मिलनी ही होती है।

काम शुरू करने को होते हैं, तो उसमें हिम्मत बंधाने वाले कम, लेकिन अड़ंगा लगाने वाले कई लोग सामने आ जाते हैं। कई लोग तो भविष्यवाणी तक कर देते हैं कि इस काम में आप कभी कामयाब नहीं हो पाएंगे। कई लोग ऐसे दावे लिखकर भी दे देते हैं। पर बहुत कम लोग ऐसे होते हैं, जो हमारे सिर पर अपना हाथ रखकर अपने होने का अहसास दिलाते हैं।

ऐसे लोगों की बदौलत ही हम उस काम को शुरू करते हैं और यह तय है कि वह काम धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाता है। इसलिए शुरू में कामयाबी नहीं मिलती। इसमें धैर्य रखना होता है। हालांकि यह सच है कि लोगों के उलाहने सुनकर कई बार धैर्य भी धराशायी होने लगता है। यही समय होता है, जब हमें संभलने की आवश्यकता होती है। अगर इस समय नहीं संभल पाए, तो समझ लेना चाहिए कि हम कामयाबी को छूकर लौट आए।

अगर हमने नया काम शुरू किया है और लोग हमारी आलोचना कर रहे हैं, हमें फटकार रहे हैं, काम करने से रोक रहे हैं, तब हमें यह समझना चाहिए कि हम निश्चित रूप से कुछ ऐसा कर रहे हैं, जो पहले कभी नहीं हुआ। इस दौरान हम एक छोटा-सा संकल्प ले सकते हैं कि अपने काम से काम रखेंगे। दुनिया वाले तब वह हमें नाकामी के रूप में मिल जाती है। अब इस विफलता से हमें क्या सीखना है, यह समय ही बताता है। हर विफलता अपने साथ नया अनुभव भी लेकर आती है। हमें विफलता पर कम और नए अनुभव पर अधिक विश्वास करना चाहिए। यह नया अनुभव ही हमें कामयाबी की मंजिल तक पहुंचाएगा। बात संकल्पों से शुरू होती है, जो विफलता, वादा, धैर्य और अनुभव पर समाप्त हो सकती है। संकल्पों के तटबंध तभी टूटते हैं, जब हम उसके आधार को खो देते हैं। संकल्पों का आधार हम स्वयं ही हैं। खुद पर विश्वास करना, यानी सफलता की एक सीढ़ी चढ़ना होता है। इस पर पूरी शिद्दत के साथ चलना यानी हमने सफलता की ओर दूसरा कदम बढ़ाया। धैर्य को अपना साथी मान कर चलते चलना चाहिए, धीरे-धीरे हम मंजिल पा ही जाएंगे।

तब हमें लगेगा कि जिन लोगों ने हमें इस मुकाम तक न पहुंचने देने में अपना योगदान दिया, वास्तव में वे ही लोग अनजाने में हमारे साथी बने। जो हितैषी होते हैं, वे बोलते कुछ नहीं, बस अपने होने का अहसास कराते हैं। हमें हमारी राह में अवरोध उत्पन्न करने वाले ही चुनौती देने का काम करते हैं।

एक बड़ी लकीर खींचने वाली योजना

अरुण कुमार

(वरिष्ठ अर्थशास्त्री)

जातिगत सर्वेक्षण में चिह्नित किए गए 94 लाख से अधिक गरीब परिवारों को दो-दो लाख रुपये अनुदान देने की बिहार सरकार की नई पहल के गहरे सामाजिक-आर्थिक निहितार्थ हैं। यह आर्थिक मदद उन गरीब परिवारों को छोटे-मोटे काम शुरू करने के लिए दी जाएगी, जिनकी मासिक आमदनी 6,000 रुपये से कम है।

ये काम खाद्य प्रसंस्करण, निर्माण-कार्य, ग्रामीण इंजीनियरिंग, कपड़ा उद्योग जैसे तमाम सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों से जुड़े हो सकते है। हाथ में नकद देने के बजाय काम-धंधा शुरू करने के लिए धन देने की सोच ज्यादा अच्छी है। हमारा माइक्रो सेक्टर नोटबंदी की मार से अभी भी पूरी तरह से उबरा नहीं है, इसे देखते हुए यह योजना एक नई उम्मीद पैदा करती है। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी। चूंकि लघु एवं सूक्ष्म उद्योग ही हमारे देश में सर्वाधिक रोजगार पैदा करते हैं, इसलिए स्वाभाविक है कि बेरोजगारी कम होने से गरीबी में भी कमी आ सकती है।

फिलहाल 94,33,312 गरीब परिवारों को इस योजना का लाभ देने का एलान किया गया है, लेकिन शुरुआत पांच लाख परिवारों से ही हो सकती है। इसका एक बड़ा कारण संसाधन का अभाव है। फिर एक तर्कयह भी है कि सभी 94 लाख परिवार शायद ही तत्काल कारोबार शुरू करेंगे, क्योंकि इस योजना का लाभ लेने के लिए पहले प्रोजेक्ट जमा करना होगा, और उसकी स्वीकृति मिलने के बाद ही धनराशि जारी की जाएगी। यह अनुदान-राशि कुल पांच वर्षों में तीन किस्तों में (25 प्रतिशत, 50 प्रतिशत और 25 प्रतिशत) में दी जाएगी। इसीलिए अभी इस योजना की शुरुआत होगी, बाद में लाभार्थियों के रुझान को देखकर इसका विस्तार किया जाएगा।अगर यह योजना सही ढंग से चली, तो जमीन पर इसका व्यापक असर दिख सकता है।

अभी देश में रोजगार कम है, लिहाजा एक कामकाजी इंसान को 4.5 व्यक्ति का भरण-पोषण करना पड़ता है। यदि लोगों को काम मिलने लगे, तो यह आंकड़ा घटकर 2.5 हो सकता है। इस योजना में भी यह क्षमता है। माइक्रो सेक्टर में रोजगार के अवसर बढ़ने से लोगों की क्रय-क्षमता बढ़ेगी और वे सर्वप्रथम खाने-पीने की वस्तुएं ज्यादा खरीदेंगे। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि देश भर में 30 फीसदी महिलाएं और बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि उनकी क्रय-क्षमता काफी कम है। अगर गरीब तबकों में पैसे आएंगे, तो वे अपने ऊपर खर्च करेंगे, जिससे खेती-किसानी को भी लाभ मिलेगा। इससे किसानों की यह शिकायत भी खत्म हो सकती है कि उन्हें बाजार में उनकी फसल के वाजिब दाम नहीं मिलते।

किसानों की आमदनी बढ़ने से संगठित क्षेत्र में भी मांग बढ़ेगी, और तब यह योजना कहीं अधिक निखरकर सामने आ सकेगी। वास्तव में, बिहार की यह पहल महात्मा गांधी के उस सपने को साकार करती है, जिसमें उन्होंने वंचितों को मुख्यधारा में लाने की बात कही थी।

राम मंदिर उद्घाटनः कई राज्यों में रही छुट्टी

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5124

	4			1			6	
9		6	5		2			4
						9	5	
3	2						8	
1			7	5	9			2
	9						1	5
	7	4						
6			4		8	5		1
	5			2			9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5123

2	5	4	8	9	7	6	3	1
3	6	7	2	4	1	9	8	5
8	1	9	3	6	5	7	4	2
7	4	8	1	3	6	2	5	9
6	2	1	5	8	9	4	7	3
5	9	3	7	2	4	1	6	8
4	8	2	6	1	3	5	9	7
9	3	5	4	7	2	8	1	6
1	7	6	9	5	8	3	2	4

वर्ग पहेली 5124

संकेत: बाएं से दाएं

1. 17 जुलाई 1919 का इस देश संविधान अंगीकार किया गया (4)
4. यह चीड़ी द्वारा बनाया गया एकतरीका ऐसा पदार्थ है जिसे इंसानों द्वारा खाया जाता है (3)
7. प्राचीन कालीन या मोटे गद्दे को यह भी कहते है (3)
9. हमला या आक्रमण करने की क्रिया, सप्ताह का दिन (2)
10. प्रसिद्धि, प्रीति, नमन (3)
12. प्रकार, जेवर, आभूषण (3)
14. शरीर रोम, पशु रोम (2)
15. पुराणानुसार अमृत मंथन के समय निकला प्रसाद विष (4)
17. दयावान, कृपालु, धर्मशील (3)
18. फैसलता, खाली का वह पुष्प जो गल न लटके (2)
21. शासक मंडल, हुक्मरान, शासक वर्ग (4)
22. पृथ्वी के भूतल पर निचले और समतल क्षेत्र यह कहलाते है (3)
24. रीत, रास आने प्रेषित करना, अपनी जगह से हिलाना (4)

ऊपर से नीचे

1. उत्तरप्रदेश का यह स्थान कांच के उद्योग के कारण प्रसिद्ध है (5)
2. जननेन्द्रीय, लिंगेय (3)
3. कश्मीर की एक प्रसिद्ध झील (2)
5. विविध भारती से नाटकों पर आधारित प्रसारित होने वाला एक दैनिक कार्यक्रम (5)
6. भाव, मूल्य, निर्ख (2)
8. आलेप, प्रलेप, लोशन (4)
11. कृपाकर, गोलाई लिए हुए (5)
13. पुराणानुसार विश्वामित्र की बड़ी बेटी का नाम (2)
16. पैदिर, प्रलेप (4)
19. एक प्रकार का मादक पदार्थ (3)
20. मेडागास्कर के बैरन एक्टिनीज समूह का द्वीप जिसकी राजधानी किंग्सटन है (3)
21. कठोर व्यवहार, निर्दयता (2)
23. आशीर्वाद, धवला, कण (2)

वर्ग पहेली 5123 का हल

कु	अ	रा	कु	ल	■	क	रा
क	ल	ती	र	■	अ	ना	थ
कि	या	■	ला	ल	■	ती	थ
या	न	प	■	ह	म	ला	■
ई	■	इ	स	र	स	■	■
■	स	हि	■	या	ल	से	ही
गु	म	या	■	र	ब	■	प
ज	■	ना	ते	■	■	वी	र

सम्पूर्ण विश्व देख रहा है भारत के मंदिर को-रामदयालजी महाराज

धर्मधाम गीता भवन में राम दरबार मंदिर का हुआ भूमिपूजन

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। अयोध्या में 22 जनवरी भगवान रामलला प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर धर्मधाम गीता भवन में प्रात: शुभ मुहूर्त ठीक 7.30 बजे पूज्य शाहपुरा पीठाधीश्वर जगद् गुरू रामदयालजी महाराज के कर कमलों से श्री राम दरबार मंदिर का भूमिपूजन हुआ। धर्मलाभ गीता भवन के पूज्य अध्यक्ष श्री रामनिवासजी महाराज ज्योतिषज्ञ पूज्य लाड़कुंवर दीदी, अन्य रामस्नेही संत, सांसद श्री सुधीर गुप्ता, नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर भूमिपूजन में सहभागी हुए। रामदरबार मंदिर का निर्माण धर्मधाम गीता भवन उपाध्यक्ष श्री जगदीश चौधरी परिवार की तरफ से किया जायेगा। इस अवसर उपस्थित श्रद्धालुओं को रामलला प्राण प्रतिष्ठा का आशीवर्चन देते हुए पूज्य आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज ने कहा यह हमारा परम सौभाग्य है कि अयोध्या में भगवान रामलला का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ होने जा रहा है वहीं यहां धर्मधाम गीता भवन में राम दरबार मंदिर निर्माण का भूमिपूजन हो रहा है। इससे बढ़कर मंदसौरवासियों के लिये बढ़कर परम सौभाग्य परम गौरव और क्या होगा। आपने कहा आज का दिन हमारे लिये कितना शुभ और मंगलकारी है कि आज सम्पूर्ण राष्ट्र राम मंदिर बन गया है। रामलला प्राण प्रतिष्ठा की यह दिवाली अलौकिक और ऐतिहासिक है। सम्पूर्ण विश्व आज भारत के राम मंदिर को देख रहा है।

इस शुभ घड़ी को प्राप्त करने में लाखों राम भक्त बलिदान हुए भारी कष्ट संघर्ष बाधाओं के बावजूद जहां कार्य के प्रति दृढ़ संकल्प होता है अंत में एक दिन सफलता अवश्य मिलती है और यह उसी का परिणाम है कि साढ़े 500 वर्षों बाद हम इस शुभ दिन-शुभ घड़ी का साक्षी बनकर दूसरी दीपावली का उत्सव सजा रहे है। दिन को रामलला प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व उसका मंगलाचरण भगवान पशुपतिनाथ के पावन शिवना तट धर्मधाम गीता भवन से हुआ है, यह अद्भूत योग संयोग है। भगवान शिव-पशुपतिनाथ के आराध्य देव भगवान राम और राम के आराध्य देव भगवान शिव पशुपतिनाथ है। गीता भवन राम मंदिर निर्माण भक्तों को इसका दर्शन करायेगा। राम से स्नेह का संदेश वाहक है राम स्नेही सम्प्रदाय- रामस्नेही का सच्ची परिभाषा है राम से स्नेह करना। सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने कहा कि गुरू गोविन्द दोनों खड़े करके लागू पांव बलिहारी गुरू देव की गोविन्द दियो दिखाय। आज हमारे लिये कितना बड़ा सौभाग्य है कि एक तरफ भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा और दूसरी तरफ गीता भवन के राममंदिर निर्माण का भूमिपूजन पूज्य गुरूदेव आचार्य श्री रामदयालजी रामनिवासजी एवं अन्य संतों के सानिध्य दर्शन आशीर्वचन यह बहुत शुभ संयोग है। जहां अयोध्या में एक मंदिर प्राण प्रतिष्ठा हो रही है दिवाली मनाई जा रही है वहीं सम्पूर्ण राष्ट्र ही नहीं विदेशों सहित 15 लाख मंदिर सज गये है। साढ़े 500 वर्षों बाद जिसे सफलता के हम आज दर्शन कर रहे है यह उन सच्चे सनातनियों के संघर्ष बलिदान का परिणाम है जो त्रेता युग में भगवान राम का अधर्मी आततायी रावण पर विजय पाने के बाद भगवान राम के अयोध्या में लौटने के बाद अयोध्या में जो हर्षोल्लास आनन्द उत्सव दीपावली पर्व मना था, लाखों वर्षों पश्चात वही दिव्य महोत्सव पुन: जीते हमें दर्शन करने को मिला है। यह हमारे लिये कितना महा मंगलमय कल्पनातीत दिवस है जो सदियों तक इतिहास में अंकित रहेगा। पूज्य रामनिवासजी महाराज ने रामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आर्शीवचन में सबको मंगल बधाईयां देते कहा- पूजा अयोध्या में हो रही है और राम मंदिर निर्माण भूमिपूजन गीता भवन में हो रहा है। हुड्को डायरेक्टर बंशीलाल गुर्जर ने भी संबोधित किया। संचालन पं. अशोक त्रिपाठी ने किया। नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर ने नगरवासियों को रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की मंगल बधाई शुभकामना देते हुए आभार माना।

उपस्थित रहे- जगद्गुरु आचार्य श्री रामदयालजी के साथ गीताभवन के संस्थापक अध्यक्ष एवं मार्गदर्शक संत स्वामी श्री रामनिवासजी महाराज, अंतर्राष्ट्रीय संत श्री रामनारायणजी महाराज देवास, संत श्री संत श्री समताराम जी महाराज सीहोर, संत श्री भजनाराम जी सिरोही, संत श्री सज्ञनरामजी बोराना, ट्रष्टीगण सर्वश्री जगदीश चौधरी, अशोक त्रिपाठी, बंसीलाल टॉक, विनोद चौबे, शेषनारायण माली के अलावा, ज्योतिषज्ञ दीदी लाडकुंवर, पूजा बैरागी, रानू विजयवर्गीय, अंजू तिवारी, विष्णु कुंवर मडलोई, प्रीति शर्मा, सुमित्रा चौधरी, विद्या उपाध्याय, सुधा फरक्या, पुष्पा गोड, सुभाष अग्रवाल, प्रवीण गुप्ता, डॉ.घनश्याम बटवाल, नरेन्द्र अग्रवाल, रविंद्र पांडे, बालाराम गुप्ता, कन्हैयालाल सोनगरा, शुभम बैरागी, नरेन्द्र त्रिवेदी, दीपक चौधरी, प्रेमकुमार रत्नावत, सुरेन्द्र फरक्या, पं. अभिषेक शर्मा (पुजारी गीता भवन), कन्हैयालाल विजयवर्गीय, दिलीप सेठिया, जगदीश काला शुभम उपाध्याय, नवनीत पारख, आदि उपस्थित रहे। वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ भूमिपूजन पंडित हेमंत भट्ट ने करवाया।

नपा परिषद के द्वारा रामायण के पात्रों पर आधारित नृत्य, काव्य पाठ एवं फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका परिषद के द्वारा कल गांधी चौराहा विश्वपति शिवालय के सामने विशाल मंच पर रामायण के पात्रों पर आधारित फैन्सी ड्रेस, नृत्य, काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सायं 6 से रात्रि 10 बजे तक आयोजित इस प्रतियोगिता के समापन पर नपा परिषद के द्वारा भव्य आतिशबाजी भी की गई। अयोध्या में प्रभु श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दिशा निर्देशों के अनुसार आयोजित किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत यह कार्यक्रम नपा परिषद के द्वारा शिक्षा विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों के सहयोग से आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में मंदसौर विकासखण्ड के विभिन्न शासकीय व निजी विद्यालयों के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भागीदारी की। इस प्रतियोगिता में लोटस वैली स्कूल में नृत्य में सरदार पटेल शा.हा.सेकेण्डरी स्कूल में नृत्य नाटिका में दशपुर विद्यालय (आरआरबी) ने फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। एकल प्रतियोगिता में सैनिक स्कूल के छात्र अथर्व धनोतिया ने काव्य पाठ अंतर्गत एवं 4 माह के नन्हें शिशु नित्यम परमार ने भ्जी पुरस्कार प्राप्त किया। प्रतियोगिता में शामिल सभी उत्कृष्ट विद्यार्थियों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के पूर्व मंत्री श्री कैलाश चावला, हुडको के डायरेक्टर श्री बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया, मीसाबंदी (लोकतंत्र सैनानी) संगठन के प्रमुख हंसराज अग्रवाल, विहीप नेता संतोष शर्मा, भाजपा पिछड़ा मोर्चा प्रदेश मंत्री श्री धीरज पाटीदार, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने पुरस्कार वितरण किये। इस अवसर पर नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता चावला, रेडक्रास चेयरमेन प्रीतेश चावला, सीएमओ सुधीर कुमार सिंह, नपा सभापतिगण निलेष जैन, दीपमाला रामेश्वर मकवाना, सत्यनारायण भांभी, पूर्व नपाध्यक्ष व पार्षद राम कोटवानी, पार्षदगण श्रीमती प्रमिला संजय गोयल, पिंकी विनय दुबेला, कमलेश सिसौदिया, आशीष गौड़, सुनील बंसल, सुनीता नंदलाल गुजरिया, भारती पाटीदार, रेखा राजेश सोनी, भावना पमनानी, ईश्वरसिंह चौहान, अमन फरक्या ने भी इस प्रतियोगिता को देखा तथा पुरस्कार वितरण में भी सहभागिता की। कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में डॉ. उषा अग्रवाल, उर्मिलासिंह तोमर, अर्चना दवे, हंसा पारिख, यशिता दवे, रेणुका आचार्य भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में भाजयुमो नेता बंटी चौहान, राजकुमार गुप्ता, बंशी राठौर, मुन्ना बेट्री कवि, रामेश्वर मकवाना, महेन्द्र परिहार, राजेश गुर्जर भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में लोटस वैली स्कूल के विद्यार्थियों ने मेरे राम आयेंगे, गीत पर मनमोहक प्रस्तुति दी जिसे सभी ने सराहा। सरदार पटेल हायर सेकेण्डरी स्कूल के छात्रों के द्वारा नाटिका की प्रस्तुति हुई जिसे देखकर सभी ने प्रशंसा की। नित्यम परमार 4 माह के शिशु को जब रामलला बनाकर लाया गया तो उसने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन संजय प्रधान, रेणुका आचार्य ने किया। आभार नपा सभापति निलेश जैन ने माना।

हर आंगन में सजी रंगोली, दिखा दीपावली से दूगना उत्साह

नगरी, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री राम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव नगर में धूमधाम से मनाया गया। मंदिरों को विशेष रूप से सजाकर धार्मिक आयोजन हुए साथ ही हर घर आंगन में रंगोली बनाई गई। नगर परिषद की टीम ने पुरे नगर में भ्रमण कर युवतियों द्वारा बनाई गई रंगोलिया का अवलोकन किया। आगामी में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहने वालों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

अयोध्या में भगवान श्री राम लाल की प्राण प्रतिष्ठा आयोजन को लेकर नगर में दीपावली से दुगना उत्साह लोगों में देखा गया। अल- सुबह से ही पूरा नगर राम रंग में रंग गया। नगर के सभी प्रमुख चौराहों एवं भगवान के मंदिरों को पुष्प- मालाओं से भव्य रूप में सजाकर आकर्षक रंगोलिया बनाई गई। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के ठीक समय पर मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना हुई। इसके बाद सभी मंदिरों पर अन्नकूट का आयोजन हुआ। उगमनी पट्टी स्थित राम जानकी मंदिर परिसर में नागरिकों ने बडी एलइडी स्क्रीन पर अयोध्या में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का लाइव कार्यक्रम देखा। प्राण प्रतिष्ठा के दोरान युवाओं ने भव्य आतिशबाजी भी की। आयोजन को आकर्षक स्वरूप प्रदान करते हुए नगर परिषद द्वारा रंगोली सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। नगर परिषद सीएमओ धर्मचंद जैन नप अध्यक्ष प्रतिनिधि घनश्याम बम्गड़, पूर्व भाजपा दलोदा मंडल अध्यक्ष रामेश्वर अटोलिया सहित पार्षदों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने सुबह 9:30 बजे से नगर में भ्रमण कर बनाई गई रंगोलिया का निरीक्षण किया गया। नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि घनश्याम बम्गड ने कहा की आगामी गणतंत्र दिवस के सामुहिक मुख्य आयोजन में रंगोली प्रतियोगिता में निर्णायकों द्वारा चयनित प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहने वाले प्रतिभागियों को नप की द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। रंगोली निरीक्षण के दोरान यशवंत धाकड, राजेश जैन, राजकुमार जैन, भरत जडवासा, कमलेश चचावद, मुकेश चचावद, श्याम सुंदर अटोलिया, नानालाल धाकड, नरेंद्र वाकतरिया एवं पटवारी मांगू दास बैरागी सहित जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव हुआ भगवामय

लूनाहेड़ा, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। अंचल सहित लूनाहेडा में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव भगवामय हो गया। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर लोगों में अपार उत्साह देखा गया। घर-घर दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव मनाया गया। मंदिरों में भजन-कीर्तन एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन भी हुआ। इस उत्सह को लेकर युवाओं ने घरो की दीवालो पर राम के स्लोगन लगाएं, घरों की छतों पर ध्वज पताका फहराई तथा मुख्य मार्गों को भगवा केसरिया पट्टी से पाट दिया। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर चारभुजानाथ मंदिर प्रांगण से कलश यात्रा निकली जो गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए पुन: मंदिर प्रांगण पहुंची। इसके बाद गांव के सभी मंदिरों में 12.30 बजे एक साथ आरती हुई एवं महाआरती का आयोजन चारभुजानाथ मंदिर परिसर में सम्पन्न हुई। मंदिर परिसर में अयोध्या से राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव लाईव प्रसारण भी देखा गया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिला पुरुष एवं नव युवक इस उत्सव में शामिल हुए। बाद में सामुहिक भंडारे का आयोजन सम्पन्न हुआ।

जंगल में अब बफर क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए अलग से मिलेगा बजट

भोपाल, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के जंगलों में कोर क्षेत्र के अलावा अब बफर क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए राज्य सरकार अलग से बजट उपलब्ध कराएगी। अब तक नेशनल पार्कों एवं टाइगर रिजर्व की गेट मनी से मिलने वाली राशि विकास निधि से ही बफर क्षेत्रों में विकास कार्यों होते हैं, लेकिन यह राशि पर्याप्त नहीं हो पाती है।

इसीलिए वन विभाग के वार्षिक बजट में बफर क्षेत्रों के विकास के लिए भी अलग से बजट लाइन बनेगी। जंगलों के बफर क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियां होती हैं और वन एवं राजस्व ग्राम स्थित रहते हैं। इनमें सड़कें, पुल-पुलियां, रपटें और अन्य सार्वजनिक निर्माण कार्य होते हैं। बजट लाइन बनने से इनके लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध हो सकेगा। इसके अलावा केंद्र सरकार ने बाघ एवं हाथी के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए दो अलग-अलग बजट लाइनों को मर्ज कर दिया है, जिससे अब हाथियों के लिए भी बाघों की बजट लाइन से ही राज्यों को सहायता मिलेगी। इसी तर्ज पर अब मध्य प्रदेश का वन विभाग भी अपने बजट में इन दोनों ही मदों को मर्ज कर करेगा और बाघ संरक्षण का एक ही मद रहेगा। इसी मद से हाथियों के प्रबंधन के लिए भी धनराशि दी जाएगी।

अवैध शराब एवं वाहन राजसात

नीमच, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। आबकारी अधिकारी नीमच के दल द्वारा निवासी बडी, थाना सिगोंली रमेश पिता मांगीलाल भील 60 लीटर मदिरा एवं मोटर साईकिल हीरो स्लेसी कण्डार क्रमांक आर.जे.-06एफ.एस. 6381 से हाथ भट्टी शराब मय मदिरा के जप्तस की गई है एवं धागढमउकलां निवासी भुवाना उर्फ भवानीलाल पिता आत्मालराम से 20 थाना भैसरोड़गढ हाथ भट्टी शराब मय मदिरा के जप्त की गई है। इस प्रकार कुल 80 लीटर हाथ भट्टी शराब मय मदिरा जप्ति की गई। एडीएम सुश्री नेहा मीना ने शासन हित में राजसात वाहन विधिवत नीलामी कर, प्राप्त् राशि शासकीय राज कोष में जमा कराने के निर्देश थाना प्रभारी पुलिस थाना सिंगली एवं जिला आबकारी अधिकारी नीमच को दिए है।

सब जैल जावद में दीपोत्सव, भजन कीर्तन, हवन सम्पन्न

नीमच, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सब जैल जावद में सहायक जैल अधीक्षक श्री चंदरलाल परमार के नेतृत्व एवं मार्ग दर्शन में सोमवार 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में 22 जनवरी 2024 को जैल में परिरुद्ध बंदियों द्वारा रंगोली बनाकर तथा 251 दीप प्रज्वलित कर हवन किया गया। बंदियों द्वारा संगितमय भजन किर्तन, श्री रामजी की आरती एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

स्वयं सिद्ध गणेश मंदिर झांकियां बनी श्रद्धा का केंद्र

नीमच, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। अयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के पावन उपलक्ष्य में सोमवार दोपहर 12बजे पूजा अर्चना एवं आरती के बाद विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान प्रारंभ हुए।मंदिर समिति अध्यक्ष राजेश जायसवाल पराग ने बताया कि 12:20 पर आरती हुई। जय गणेश परिवार की मातृशक्ति महिला समूह द्वारा भजन कीर्तन भी आयोजित किए। 108दीपक जलाकर दीपावली की तरह मंदिर में त्यौहार मनाया। मंदिर में भव्य रंग बिरंगी विधुत डेकोरेशन की सजावट की गई। राम दरबार की आकर्षक झांकियां भी सजाई गई। परिसर में ही मंच बनाकर श्री कृष्ण की रासलीला ,बालाजी का संजीवनी बूटी लाना और राम दरबार की स्वचालित झांकी प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही। बताओ द्वारा इस अवसर पर आतिशबाजी भी की गई और जय जय श्री राम के जय घोष भी लगाई गई। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

श्री राम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा व सुना गया

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण पशुपतिनाथ मंदिर में देखा व सुना गया। कार्यक्रम में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया, सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, अपर कलेक्टर, जिला अधिकारी, पत्रकार एवं श्रद्धालु जन उपस्थित थे।

जयश्री राम के उद्घोष के साथ मेवाड़ा सेन समाज ने मनाया श्री राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मेवाड़ा सेन समाज पंचायत द्वारा अयोध्या में मर्यादा पुरूषोत्तम प्रभु श्री राम की दिव्य प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में मेरा शहर-मेरी अयोध्या के अंतर्गत सत्यनारायणजी की बगीची खानपुरा में विविध धार्मिक आयोजन किये गये। इस दौरान सेन बन्धुओंनेजय-जय सियाराम केउद्घोष करते हुए एक-दूसरे को बधाईयां दी।

मेवाड़ा सेन समाज पंचायत के अध्यक्ष ब्रजेश सेन मारोठिया ने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या के साथ ही सम्पूर्ण देश में अविस्मरणीय क्षण था जब 500 वर्ष पश्चात् भगवान श्री राम अपने मंदिर में विराजे। इस उल्लासमय क्षण को मेवाड़ा सेन समाज ने भी हर्षोल्लास के साथ मनाया। मंदिरजी में विशेष साज सज्ञा की गई। समाजजनों ने इस दिन को त्यौहार के रूप में मनाते हुए मंदिर में पाठ पूजा की। दीप प्रज्ञवलित किये व भव्य आतिशबाजी की गई। दोप. 12.40 पर रामजी की महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया। सायंकाल सभी सेन बन्धुओं ने अपने घर पर रोशनी कर दीप प्रज्ञवलित किये। बालिका भूमि सेन, राधिक सेन ने राम दरबार की आकर्षक रंगोली बनाई जिन्हें नन्दकिशोर राठौर द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठनन्दकिशोर राठौर ने श्रीराम मंदिर के बारे में विस्तार से जानकारीदी। कार्यक्रम के लाभार्थी परिवार डॉ. घीसालाल आशीष गंगवाल परिवार एवं जगदीशचन्द्र साईकृपा ब्रजेश व अमित मारोठिया परिवार रहे। इस अवसर पर समाज के नन्दकिशोर राठौर, फकीरचन्द परिहार, मगनीराम गंगवाल, ईश्वरलाल गंगवाल, जगदीशचन्द्र मारोठिया सांईकृपा, प्रकाश मारोठिया, कमल बी मारोठिया, डॉ. घीसालाल गंगवाल, अशोक चौहान, नागेश्वर चौहान, कमल मारोठिया, मुकेश सेन रानाखेड़ा, महेश परिहार, विनोद परिहार, अंकुश, आदित्य, शैलेन्द्र, शुभम, अनिकेत मारोठिया, आशीष गंगवाल, पियुष सकवाया, दीपक मारोठिया, अजय मारोठिया सहित मातृशक्ति, युवा एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आदित्यसेन मारोठिया ने किया एवं आभार विनोद परिहार ने माना। उक्त जानकारी शुभम मारोठिया ने दी।

सात दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण सम्पन्न

नीमच, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कृषि विज्ञान केन्द्र, नीमच में आर्या योजनान्तर्गत 15 से 21 जनवरी 2024 तक मसाला फसलों में मूल्य संवर्धन विषय पर सात दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में उप संचालक उद्यान, श्री अतरसिंह कन्नौजी द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (PM-FME) के उद्देश्य एवं योजना अन्तर्गत अनुदान सहायता (कुल परियोजना लागत का 35 प्रतिशत या अधिकतम 10 लाख तक अनुदान एवं AIF योजना अन्तर्गत 3 प्रतिशत ब्याज दर में छुट) की विस्तृत जानकारी प्रदाय कर इच्छुक कृषकों, युवाओं को योजना का अधिकाधिक लाभ प्राप्त करने के लिए अपील की गई। कृषको द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (PM-FME) में विशेष रूचि देखी गई। साथ ही कृषकों को उद्यानिकी विभाग में चल रही विभिन्न योजनाओं में MPFSTS पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया। यह जानकारी उप संचालक उदयान नीमच द्वारा दी गई है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही जयकारों से गूंजा अंचल

लाउऽखेडी में श्री राम, जानकी एवं लक्ष्मण जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा, स्वर्ण कलश, ध्वजा दंड स्थापना संपन्न

कुचड़ोद, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। 22 जनवरी को अयोध्या में श्री रामलला मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा जैसे ही संपन्न हुई। गांव सहित अंचल में श्री राम जी की जय जयकार होने लगी। ग्रामीणों ने एक दूसरे को बधाइयां दी। पटाखे फोड़े। ढोल की थाप पर हर कोई खुशी के मारे झूम उठा। गांव के सभी मंदिरों को सुबह से पुष्प मालाओं, बलून से सजाया गया। ग्रामीणों ने घरों के सामने रंगोलिया बनाई। हर कोई शुभ मुहूर्त का इंतजार कर रहा था। जैसे ही घड़ी में 12:30 बजे पूरा अंचल श्री राम जी की जय जयकार से गूंजायमान हो गया। मंदिरों की घंटियां बजने लगी।

इससे पहले सुबह श्री पंचमुखी बालाजी पर सुंदरकांड के पाठ किए गए। श्री राम जानकी बाजार मंदिर पर लाइव प्रसारण दिखाया। श्री राम जानकी पंच कुमावत समाज मंदिर पर सत्यनारायण भगवान की कथा, खेड़ापति हनुमान मंदिर पर हवन, सहित सभी मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना, अभिषेक किए गए। दोपहर 12:31 पर सभी मंदिरों में एक साथ महा आरती की गई। पश्चात महाप्रसादी वितरित की गई। मंदिरों पर युवक युवतियाँ, महिलाएं, युवा, बड़े बुजुर्ग सभी प्राण प्रतिष्ठा के बाद ढोल की थाप पर खूब नाचे। पटाखे जलाए गए एवं जय कारे लगाए। शाम को रामेश्वर महादेव रामकुंड से भव्य शोभायात्रा यात्रा ढोल डीजे के साथ निकाली गई। जो गांव के प्रमुख मार्गो से गुजरी। उधर लाउऽखेड़ी मैं मंदिर जिर्णोद्वार के बाद अयोध्या में रामलला मूर्ति स्थापना के साथ, श्री राम जानकी मंदिर में श्री राम, माता जानकी एवं लक्ष्मण जी की मूर्ति की स्थापना, प्राण प्रतिष्ठा की गई। मंदिर पर स्वर्ण कलश चढ़ाया गया एवं ध्वजादंड की स्थापना की गई। महा आरती पश्चात प्रसाद वितरित की गई। यहां सात दिवसीय भागवत कथा का भी विराम हुआ। इस अवसर पर सभी ग्रामीणों ने अपने सभी कार्य एवं व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखकर मंदिरों पर एकत्रित हुए। अफजलपुर पुलिस के जवान मंदिरों पर व्यवस्था देखते रहे।

आकर्षक विद्युत साज सज्जा से सजाए घर, मंदिर एवं शासकीय भवन

जोगीखेड़ा, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। अयोध्या में रामलला की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सोमवार 22 जनवरी को निपानिया अफजलपुर में सप्ताहभर से चल रही तैयारियों में मंदिर की साफ सफाई करना, मंदिर एवम शासकीय भवनों की विद्युत साज सज्ञा से सजाना, अपने अपने घरों के सामने रंगोली एवम तोरण द्वार लगाना, घरों पर विद्युत साज सज्ञा से सजाना,भगवा ध्वज पताकाए लगान,आदि आज पुरी हुई,भक्ति में लीन पुरा गांव राम मय हो गया। सोमवार की सुबह पंडित मांगीलाल जी शर्मा व रणजीत शर्मा,ने विधि विधान से कलश पुजन कर प्राथमिक विद्यालय परिसर से कलश यात्रा प्रारंभ हुई, कलश यात्रा मे भक्तगण ढोल एवम डीजे पर नाचते गाते हुए भगवान श्री राम की मस्ती में मस्त दिखे, भगवान श्री राम के नारों के साथ, राम भक्ति के गीत एवम भजनों की थाप पर ढोल एवम डीजे पर नाचते गाते रामभक्त, भक्ति में मस्त दिखे ऐसा लग रहा था मानो दीपावली आ गई है।कलश यात्रा मे भगवान श्री राम जी, माता सीता, लक्ष्मण जी एवम हनुमान जी की सुंदर झांकी भक्तो का मन मोह लेती नज़र आई,महिलाएं सिर पर कलश उठाकर नाचते गाते हुए कलश यात्रा का आनंद लेते गांव के मुख्य चौराहों से होते हुए रामभक्त राम जानकी मंदिर पहुंचे, राम जानकी मंदिर पर पंडित मांगीलाल शर्मा, चंदन शर्मा, संजय शर्मा एवम रणजीत शर्मा, के द्वारा वैदिक मंत्रोचार से मंदिर पर हवन पुजन कराया,कलश यात्रा मे जल से भरे कलश से मंदिर पर भगवान शिव का अभिषेक किया एवम ठीक 12:30 बजे अयोध्या में भगवान श्री राम की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के समय ढोल डीजे बजाते हुए भगवान श्री राम जानकी की महा आरती की कर महा प्रसादी हुई,एवम शाम को भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया।

एमपी बोर्ड परीक्षा : नहीं मिलेगी सप्लीमेंट्री कॉपी...

कलेक्टर को किया अलर्ट

भ्रामक जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में बोर्ड परीक्षाओं के नजदीक आने के मद्देनजर अब सरकार ने फर्जी पेपर और पेपर लीक की भ्रामक जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कलेक्टर्स को अलर्ट किया है।

स्कूल शिक्षा मंत्री उदयप्रताप सिंह और लोक शिक्षण आयुक्त अनुभा श्रीवास्तव ने सभी जिलों के कलेक्टर्स को इसे लेकर अभियान चलाने के लिए निर्देश दिए हैं। इसके तहत जागरूकता अभियान चलाकर फर्जी पेपर बांटने, पेपर लीक की अफवाह फैलाने और इस तरह के अन्य गिरोहों के झांसे में आने से बचने के लिए काम किया जाएगा। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को भी इसे लेकर काम करने के लिए कहा गया है।

यह भी है खास...

✼ परीक्षा केंद्रों पर लोहे की पेटी रखी जाएगी, जिसमें यदि किसी के पास नकल है तो वह परीक्षा से पूर्व उसमें डाल सकेगा। ✼ विद्यार्थी को परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से एक घंटा पहले उपस्थित होना होगा और 30 मिनट पहले परीक्षा कक्ष में पहुंचना होगा। ✼ केंद्राध्यक्ष को परीक्षा शुरू होने के 20 मिनट पहले तक छात्र को परीक्षा कक्ष में प्रवेश देना होगा। ✼ परीक्षा केंद्र में जो स्टाफ तैनात है उसके पास आइकार्ड होगा और सभी को आइकार्ड लगाना होगा। ✼ संबंधित स्कूल में कार्यरत कोई भी शिक्षक पर्यवेक्षक की ड्यूटी नहीं कर सकेगा। ✼ उन स्कूलों के शिक्षक भी पर्यवेक्षक की ड्यूटी नहीं करेंगे, जहां के विद्यार्थी संबंधित स्कूल में परीक्षा देंगे। ✼ बैठक व्यवस्था 20/40/60 के मान से की जाएगी। ✼ छात्रों के आगे-पीछे और आजू-बाजू एक जैसे सेट के पेपर नहीं बांटे जाएंगे।

नकल को लेकर सख्त...

माध्यमिकशिक्षा मंडल की हाईस्कूल और हायर सेकंडरी की परीक्षाएं फरवरी के प्रथम सप्ताह से शुरू होने जा रही हैं। मंडल ने बोर्ड परीक्षाओं को लेकर इस बार विशेष रूप से नकल रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा में परीक्षार्थियों को 32 पेज की उत्तरपुस्तिका (कॉपी) दी जाएगी और इसी में पूरा पेपर सॉल्व करना होगा। अलग से कोई सप्लीमेंट्री की कॉपी परीक्षार्थियों को नहीं दी जाएगी। साथ ही विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिकाओं में ओएमआर शीट को काले अथवा नीले रंग के बाल पेन से तय जगह पर रोल नंबर सहित अन्य जानकारी पर ही गोला लगाना होगा और केंद्राध्यक्ष को परीक्षार्थियों को स्कूलों के परीक्षार्थियों के साथ मिश्रित करके ही बैठाया जाएगा। वहीं कोई विद्यार्थी नकल करते मिला अथवा उसके पास कोई चिट, कॉपी सहित अन्य सामग्री मिलती है तो उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। सुरक्षा के लिहाज से परीक्षा केंद्र में एंट्री व एग्जिट का एक ही गेट होगा। हालांकि मेन गेट पर भी परीक्षार्थियों की तलाशी ली जाएगी।

गोसेवा जीव सेवा विकास अभियान बफर डिनर का शंखनाद

नीमच, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जीव सेवा विकास अभियान जय गणेश परिवार के श्रद्धालु भक्तों द्वारा 22 जनवरी अयोध्या में श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में सोमवार सुबह 10बजे केंद्रीय विद्यालय के समीप ब्रह्मा कुमारी विद्यालय के पीछे विश्व हिंदू परिषद द्वारा संचालित गौधाम बालाजी गौ सेवा धाम में पहुंचकर बीमार गायों का पूजन आरती के बाद उनको गुड से बनी दलिया ,लाप्सी, फल, फ्रूट,हरी सब्जियां व बांटा आदि विभिन्न पशु आहार सामग्री गायों को थाली में सजाकर बफर डिनर के रूप में खिलाई गई और गौ सेवा अभियान के प्रकल्प का शुभारंभ किया गया। उल्लेखनीय है कि गौ सेवा का यह अभियान विगत 2 वर्षों से निरंतर जारी है जिसमें अनेक श्रद्धालु भक्त अपने वैवाहिक वर्षगांठ, जन्मदिन, पुण्यतिथि,सहित विभिन्न मांगलिक एवं सामाजिक प्रसंग के पावन उपलक्ष्य में प्रत्येक गुरुवार को पहुंचकर रोगियों को औषधि युक्त पशु आहार का सेवन करवाते हैं और गायों के स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करते हैं। गायों को पशु आहार वितरण करने के जीव सेवा विकास अभियान के लिए 8319720701, 9165002700पर संपर्क कर सकते हैं।

भारत के सांस्कृतिक पुनरोद्धार... पेज 1 से जारी

आलाकमान के पास शायद इसके लिए फुर्सत नहीं। वे मंदिर के फेर में भाजपा और आरएसएस के विरोध की जल्दबाजी में चूक कर गए। इस पार्टी को कम से कम समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव से ही सीख लेना चाहिए थी, जिन्होंने आयोजन में भारी भीड़ का हवाला देकर कहा कि वह किसी अन्य समय पर रामलला के दर्शन के लिए जाएंगे। मगर कांग्रेस ने खुद के लिए ऐसा कोई बीच का रास्ता ही नहीं छोड़ा और अब यह देखना होगा कि इस पार्टी के लिए आगे कौन सा रास्ता बचता है।

भावनाओं के इस अद्भूत ज्वार से उन लोगों को ज्वर आना तय है, जो कुछ समय पहले तक इस अहंकार में डूबे थे कि उनके विरोध का इस आयोजन की गरिमा और उससे जुड़े उल्लास पर विपरीत असर होना तय है। इन सभी को राममय माहौल से जो जवाब मिला है, उसके बाद भी यदि उनके पास इस कार्यक्रम के विरोध में कुछ सवाल मौजूद हैं तो फिर यही कहा जा सकता है कि 'जाको प्रभु दारुण दुख देही, ताकी मति पहले हर लेही।'

पशुपति के दशपुर में श्रीराम का... पेज 1 से जारी

दीपक प्रज्वलित किए। वहीं भव्य आतिशबाजी और लेजर लाइट शो हुआ। भगवान पशुपतिनाथ मंदिर के साथ ही शहर के तलाई वाले बालाजी, गांधी चौराहा स्थित विश्वपति शिवालय, बस स्टैंड स्थित बड़े बालाजी मंदिर, जगदीश मंदिर सहित सभी मंदिरो में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। वहीं शाम को घर-घर में दीपक जलाए गए। इसके साथ ही मंदिरों, चौक चौराहों पर आतिशबाजी और अन्य कार्यक्रम आयोजित की जाएगी।

समूचा शहर दीपावली जैसे सजा–रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर बाजार भगवामय नजर आया। शहर में भगवा पताकाएं लहराती दिखीं। साथ ही व्यापारियों ने अपने-अपने प्रतिष्ठानों में रोशनी की। बाजार में रंगोली, दीपक और लाइटिंग हुई। सोमवार को प्रतिष्ठा के अवसर पर शाम को घर-घर दीपक लगाए गए। सभी मंदिरो को सजाया गया और आतिशबाजी की गई। शहर में जगह जगह डीजे लगाए गए थे। जिसमें राम भजनों पर लोग थिरक रहे थे। राम के जयकारों से शहर गूंज रहा था। इधर शहर में प्रतिष्ठा महोत्सव के बाद आतिशबाजी से शहर गूंज उठा। बच्चे हो या बूढ़े सभी में खासा उत्साह देखा गया।

जगह-जगह प्रसाद वितरित–अयोध्या में भव्य राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर सोमवार को जिला धार्मिक उत्सव समिति के तत्वावधान में सर्व समाज मंदसौर के सहयोग सें विश्वपति शिवालय गांधी चौराहा पर 71 हजार देशी घी के लड्डुओं की प्रसादी का वितरण किया गया। दशपुर नगर के सर्वसमाज के सहयोग से विश्वपति शिवालय गांधी चौराहा पर अनेक कार्यक्रम आयोजित हुए। जिसमें मंदसौर नगर के कई कारसेवको का सम्मान किया गया। इसके अतिरिक्त लगभग सभी चौराहो पर दिन भर प्रसादी का वितरण चला। बीपीएल चौराहे पर हिम्मत होम इंडस्ट्री के सोजन्य से श्री राम मंदिर की प्रतिकृति स्थापित कर रविवार से सजा दिया गया था। सोमवार को दिन भर प्रसादी का वितरण किया गया।

प्राण प्रतिष्ठा के दिन घरों... पेज 1 से जारी

रघुनंदन नाम देकर बच्चों का नामकरण किया गया। कई जगहों पर कागजों पर राम या सीता के नाम नहीं थे। लेकिन, बधाईयां इसी से शुरु हुई कि राम या सीता घर में आए है। मतलब साफ है कि घर का नाम तो राम या सीता के नाम पर बच्चों का हो गया। सोमवार को श्रीराम के प्राण- प्रतिष्ठा को लेकर देश के कोने- कोने में भव्य रूप से तैयारी काफी पहले से ही चल रही थी। ऐसे में गर्भवतियों ने इस शुभ अवसर पर डॉक्टरों से डिलीवरी डेट की मांग भी 22 जनवरी रखी थी। हालात यह हो गए है बीते दिनों होने वाली डिलीवरी को भी आज के ही दिन कराने की प्लानिंग कर ली गई थी। सोमवार को शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि थी। प्रभु राम का जन्म अभिजीत योग में हुआ था। सोमवार को भी अभिजीत योग लंबे समय तक रहा। यही नहीं रात्रि में पड़ने वाले अभिजीत मुहूर्त में भगवान कृष्ण का अवतरण हुआ था। अभिजीत मुहूर्त में सभी प्रकार के दोषों को नष्ट करने की ताकत होती है। इसलिए इस मुहूर्त को सर्वश्रेष्ठमाना जाता है।

हीर के नृत्य ने मनमोहा

विधायक सहित अतिथियों ने किया पुरस्कृत

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। तलाई वाले बालाजी मंदिर में स्वर्ण कलश प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत दया मंदिर में धार्मिक आयोजन जारी है। इसी तरह से जिला धार्मिक उत्सव समिति द्वारा अयोध्या में राम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत प्रसादी वितरण के साथ अन्य कार्यक्रम आयोजित हुए। दोनों ही जगहों पर राम आएंगे...भजन पर हीर ककनानी ने आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी। हीर के नृत्य की मौजूद अतिथियों सहित सभी लोगों ने प्रशंसा की। इसके बाद हीर ककनानी को मंच पर विधायक विपीन जैन द्वारा पंडित दशरथ भाईजी, भाजपा नेता अनिल कियावत सहित अन्य अतिथियों और समिति के सदस्यों की मौजूदगी में नगद पुरस्कार देकर सम्मानीत किया गया।

मल्हारगढ़ में 12 करोड़ रुपए की लागत से भवानी माता मंदिर का पुनर्निर्माण होगा-उप मुख्यमंत्री देवड़ा

श्री राम मंदिर मल्हारगढ़ में उप मुख्यमंत्री ने राम, सीता, लक्ष्मण की मूर्ति की स्थापना की

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने भगवान श्री राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर मल्हारगढ़ में भवानी माता मंदिर से शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने राम जन्मभूमि में योगदान करने वाले कार सेवकों का सम्मान किया। छोटे-छोटे बच्चों द्वारा रामचरित मानस के भजनों पर नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा द्वारा कहा गया कि मल्हारगढ़ में स्थित भवानी माता मंदिर का पुनर्निर्माण 12 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा। इस मंदिर को पुन: भव्य किले का रूप प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर हम सभी में अपार उत्साह है। मन बहुत भावुक है। गली-गली में राम के भजन चल रहे हैं। मंदिर भव्य बनाएंगे। यह बात आज सार्थक हो गई। आज भगवान श्री राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। इसके लिए प्रदेशवासियों, जिले वासियों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

भवानी माता मंदिर के कार्यक्रम के पश्चात उप मुख्यमंत्री ने मल्हारगढ़ में ही श्री राम मंदिर पर राम, सीता और लक्ष्मण की मूर्ति की स्थापना की। श्री राम मंदिर पर ही अयोध्या से प्रसारित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा और सुना। इसके पश्चात उप मुख्यमंत्री ने थड़ोद फंटे पर स्थित बालाजी मंदिर पहुंचकर भगवान बालाजी के दर्शन किए तथा जिले वासियों के लिए सुख समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा की यह प्रगति और परंपरा का उत्सव है। इसमें विकास की भव्यता और विरासत की दिव्यता है। यही भव्यता और दिव्यता हमें प्रगति पथ पर आगे ले जाएगी। मंदिर में उपस्थित श्रद्धालु जनों को शुभकामनाएं प्रदान की।

कार्यालय नगर परिषद नारायणगढ़, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक / 172/ई-टेण्डरिंग/2024 नारायणगढ़, दिनांक-22/01/2024

✼✼✼ ई-निविदा आमंत्रण सूचना ✼✼✼

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2024_UAD_ 327794_1 दिनांक-22.01.2024	UNDER CM URBAN AREA INFRASTRUCTURE AND CONSTRUCTION SCHEME REJUVENATOIN AND BEAUTI FICATION OF TALAB NEAR CHARBHUJA MANDIR AT WARD 04 NARAYANGARH DISTRICT MANDSAUR MP	12 Months 85,91,828/-	10,000/- 64,439/-	21.02.2024 05.30 PM

नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर हीं किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

ममताकुंवर जयराजसिंह, अध्यक्ष, नगर परिषद नारायणगढ़ | वीरेन्द्र रुपरा, उपाध्यक्ष, नगर परिषद नारायणगढ़ | किशनकुमार कुसुमाकर, सभापति, लोक निर्माण विभाग, नगर परिषद नारायणगढ़ | प्रमोद जैन, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद नारायणगढ़

मप्र में बजट से पहले 26 विभागों को खर्च करने के लिए मिले 8,623 करोड़ रुपये

भोपाल, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश में सरकार पूंजीगत व्यय लगातार बढ़ा रही है। बजट से पहले 26 विभाग 8,623 करोड रुपये व्यय करेंगे। तीन माह के लिए सरकार ने यह राशि विभागों को दी है। इसमें लोक निर्माण, जल संसाधन और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्माण कार्यों के लिए चार हजार करोड़ रुपये से अधिक दिए गए हैं। विभिन्न विभाग 847 करोड़ रुपये परियोजना कियान्वयन इकाई को देंगे, जो भवन निर्माण का काम कर रही है।

मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2023-24 के लिए 56 हजार 256 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के लिए रखे हैं। वित्त विभाग ने 26 विभागों को विशेष व्यय सीमा जनवरी, फरवरी और मार्च के लिए स्वीकृत की है। 8,623 करोड रुपये की इस विशेष व्यय सीमा से पूंजीगत कामों को गति दी जाएगी। लोक निर्माण विभाग को विभिन्न निर्माण कार्यों के भुगतान के लिए दो हजार 55 करोड़ रुपये दिए गए हैं। सिंचाई परियोजनाओं को गति देने के लिए जल संसाधन विभाग को एक हजार 255 करोड़ और नर्मदा घाटी विकास को 807 करोड़ रुपये मिले हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को जल जीवन मिशन के कार्यों के लिए 991 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। ग्रामीण विकास को 591 और वन विभाग को 439 करोड़ रुपये मिले हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग को 309, स्कूल शिक्षा 300, उद्योग 276, उच्च शिक्षा 206,गृह 203, खेल एवं युवक कल्याण 162, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार 157, संस्कृति 112 और चिकित्सा शिक्षा विभाग को 109 करोड़ रुपये की व्यय सीमा तीन माह के लिए स्वीकृत की है। इसके अतिरिक्त जनजातीय कार्य, राजस्व, अनुसूचित जाति कल्याण, महिला एवं बाल विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, पर्यटन, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को राशि आवंटित की गई है।

शिव की नगरी हो गई है राम मय

दर्द-ए-दिल — कुमार दशपुरी

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। धार्मिक और ऐतिहासिक नगर होने का गौरव इस शहर को प्राप्त है। आरंभ से ही यहां की प्रत्येक गतिविधि इस क्षेत्र की प्राचीन अस्मिता से जुड़ी हुई है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का जो वातावरण पूरे देश में बना हुआ है उसका प्रभाव इस शहर पर भी व्यापक रूप से दिखाई दे रहा है। पूरा शहर राममय हो गया है। कोई मोहल्ला कॉलोनी या रहवासी क्षेत्र ऐसा नहीं है, जहां कोई ना कोई गतिविधि नहीं हो रही हो। ऐसा वातावरण वास्तव में पहले कभी नहीं देखा गया। जैसा अभी देखा जा रहा है।

वास्तव में भगवान राम के प्रति जो आस्था प्रत्येक सनातन परंपरा के व्यक्ति में होती है वह पूरी तरह से मुखरित होकर सामने दिखाई दे रही है, लोग कल्पना कर रहे हैं कि 25000 साल पहले जब भगवान श्री राम वनवास पूरा कर लंका विजय कर अयोध्या वापस आए होंगे तब कैसा अलौकिक वातावरण अयोध्या और पूरे देश में बना होगा। कल्पना की जा सकती है कि आज के इस वातावरण को देखकर मंदसौर नगर में श्रीतलाई वाले बालाजी मंदिर के 6 दिवसीय स्वर्ण कलश प्रतिष्ठा महोत्सव में जो आयोजन चल रहे हैं, उनके माध्यम से भी नगर का वातावरण पूरी तरह से राम भक्ति मय बन गया।

उधर जीवागंज में पिपली वाले माताजी मंदिर के नवनिर्माण के प्रतिष्ठा के महोत्सव के भी 5 दिन के आयोजन चल रहे थे। वहां भी सोमवार 22 जनवरी को यहां प्रतिष्ठा समारोह हुआ। इसी प्रकार गीता भवन में भी राम दरबार के मंदिर का शीला पूजन 22 जनवरी को किया गया। शहर के लगभग सभी मंदिरों की गतिविधियां इसी दिन काफी व्यापकता के साथ हुई। सोमवा को सायंकाल सबसे बडा आकर्षण भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर का परिक्षेत्र जहां मंदिर समिति द्वारा गनेडीवाल चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से 51000 दीपकों को घाट पर सजाया गया और एक अद्भुत लेजर शो आतिशबाजी का भी भव्य आयोजन हुआ। पूरे शहर में दिनभर वातावरण राममय रहा। इसलिए वास्तव में कहा जा सकता है कि शिव की यह नगरी पूरी तरह से राम मय हो गई है।

प्राण-प्रतिष्ठा पर गंगानगर ऑफिस में दीवाली जैसा जश्न

समाजसेवी अरूल अरोरा गंगानगर ने जीता हर किसी का दिल, भगवा रंग दिखा गंगानगर ग्रुप में, दिनभर धार्मिक आयोजन: समाजसेवी अरूल अशोक गंगानगर द्वारा सुबह सुंदरकांड तो दोपहर को वाहन रैली में गूंजे श्रीराम के जयकारें

नीमच, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। अयोध्या में श्री राम मंदिर में बाल स्वरूप की प्राण—प्रतिष्ठा को लेकर नीमच में भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। युवा समाजसेवी अरूल अशोक अरोरा गंगानगर द्वारा कई धार्मिक आयोजन किए गए। गंगानगर ग्रुप में प्राण—प्रतिष्ठा महोत्सव के मौके पर दीवाली से भी ज्यादा भव्य नजारा दिखा। अरूल अरोरा द्वारा सुबह अविनाश ग्रुप में सुंदरकांड का आयोजन रखा गया तो दोपहर को शहर के प्रमुख मार्गों से वाहन रैली निकली। वाहन रैली में गले में केसरिया दुपट्टा पहने और बाइक पर जय श्री राम के झंडों के साथ सैकडों लोग शामिल हुए।

श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में राम मंदिर में प्राण—प्रतिष्ठा पर पूरा शहर सोमवार को भगवान राम की भक्ति में डूबा रहा। हर वर्ग ने अपने अंदाज में इस महोत्सव को मनाया। बीते कई दिनों से अरूल अशोक अरोरा गंगानगर द्वारा आयोजन को भव्य रूप देने की तैयारियां की जा रही थी। सोमवार सुबह गंगानगर आफिस में शहर के जैन भवन रोड स्थित कार्यालय पर सुंदरकांड का आयोजन शुरू हुआ। पूरे दफ्तर को दुल्हन की तरह सजाया गया था और श्रीराम के तोरण द्वार लगाए गए। सुंदकांड में महाआरती के बाद वाहन रैली शुरू हुई। वाहन रैली में समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर, उनके पुत्र अरूल अरोरा वाहनों के काफिले के साथ निकले। वाहन रैली टैगोर मार्ग, ग्वालटोली, इंदिरा नगर, फव्वारा चौक, अम्बेडकर मार्ग, गोमाबाई रोड, रेलवे स्टेशन रोड होते हुए श्री किलेश्वर महादेव मंदिर पहुंची, जहां पर समाजपन हुआ। रैली में आगे—आगे समाजसेवी अशोक अरोरा, अरूल अरोरा गंगानगर बुलेट पर चल रहे थे तो वहीं पीछे—पीछे सैकडों भक्त जयकारें लगाते हुए चल रहे थे। वाहन रैली का जगह—जगह स्वागत किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी अशोक अरोरा द्वारा आनंदो ग्रुप द्वारा नवनिर्मित आदियोगी शिव प्रतिमा की पूजा अर्चना की गई। शाम को सीआरपीएफ रोड पर राम भजन संध्या का आयोजन रखा गया। भजन संध्या से पहले जोरदार आतिशबाजी की गई। भजन संध्या में प्रसिद्ध कलाकार सतवंत बादशाह ने एक से बढकर भजनों की प्रस्तुतियां दी। देर रात भजन संध्या चली और पूरा सीआरपीएफ रोड श्रीराम की भक्ति में डूबा रहा। गंगानगर ऑफिस पर रविवार को 5100 दीप प्रज्ज्वलित किए गए गए थे, जो कि नीमच शहर में एक रिकार्ड है।

ब्रिगेडियर सौरभ जैन ने किया मंदसौर एनसीसी बटालियन स्थापना को लेकर निरीक्षण

मंदसौर, 22 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। इंदौर एनसीसी ग्रुप मुख्यालय के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर सौरभ जैन वीएसएम (भारतीय सेना) का मंदसौर आगमन हुआ बाईपास से पायलटिंग के द्वारा सर्किट हाउस पहुंचे जहां कमर अधिकारी कर्नल रिजवान खान द्वारा उनका स्वागत किया गया साथ ही सभी स्टाफ से परिचय प्राप्त किया। जहां कैडेट वृंदा राणावत, खुशी सिसोदिया और अक्षत जैन को उत्कृष्ट कार्य करने पर गिफ्ट प्रदान किया गया, तत्पश्चात चंद्रपुरा स्थित पशुपतिनाथ गेट के समीप नवीन एनसीसी बटालियन स्थल का निरीक्षण किया गया, जहां पर लोक निर्माण विभाग के अधिकारी आदित्य सोनी साहब एवं इंजीनियर राकेश श्रीवास्तव द्वारा चल रहे काम जानकारी दी गई। साथ में नीमच बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल रिजवान खान भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान एनसीसी अधिकारी विजय सिंह पुरावत, ट्रूप कमांडर जितेंद्र कनौजिया, सूबेदार जयप्रकाश सिंह, सीएचएम राजेंद्र सिंह, हवलदार सरजेराव यादव, हवलदार संतोष कुमार यादव, टी ओ नरेंद्र जोशी उपस्थित रहे, निरीक्षण केपश्चात ब्रिगेडियर साहब द्वारा पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचे जहां अभिषेक कर पूजा अर्चना की वही समीप नवीन जैन मंदिर के भी दर्शन किए जहां जैन मंदिर ट्रस्ट द्वारा ब्रिगेडियर साहब का साल और श्रीफल से स्वागत किया गया, तत्पश्चात माननीय ब्रिगेडियर महोदय नीमच की ओर प्रस्थान किया।

क्रमांक-2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेण्डरिंग/406/1462

कार्यालय प्रमुख अभियंता

जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ई-मेल-mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in

फोन-0755-2553402, फैक्स- 0755-2552406

✼✼✼✼ निविदा आमंत्रण सूचना ✼✼✼✼

निविदा सूचना क्रमांक-563/2715001/ई.पी.डी./2021-22/प्र.अ./ई-टेण्डरिंग भोपाल, दिनांक 16.01.2024

निम्न कार्यो हेतु निविदाए वेबसाईटhttps:www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 05.02.2024 को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते है। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकता है। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्रं.	निविदा क्रमांक	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2023_WRD_ 313693	बाणसागर त्योंथर उद्वहन सिंचाई योजना में स्थापित 33/66 के.व्ही. विद्युत उपकेन्द्र में सी.टी. के स्थापना का कार्य।	शहडोल	1.00
2.	2023_WRD_ 313696	पुराने और प्रयुक्त ड्रिलिंग उपकरणों (स्टॉक सामग्री) का विक्रय	शहडोल	0.63
3.	2023_WRD_ 313697	बाणसागर क्योंटी नगर अंतर्गत तिवनी माइनर तथा मंड माइनर पर नये गेट का प्रदाय एवं स्थापना का कार्य।	शहडोल	1.02
4.	2023_WRD_ 313699	आर.डी.28.15 कि.मी. पर सी.डब्ल्यू.यसी. नहर तथा आर.डी. 0.00 कि.मी. से 45.00 कि.मी. क्योटी नअर की सी.आर.एच. आर.एवं स्रेप गेटों के आयलिंग, ग्रीसिंग का मरम्मत कार्य।	शहडोल	1.60
5.	2023_WRD_ 313700	बाणसागर क्योंटी नहर की सलइया माइनर तथा बढौआ माइनर पर नये गेट का प्रदाय एवं स्थापना का कार्य।	शहडोल	0.62
6.	2023_WRD_ 313855	भानपुरा नहर परियोजना एवं शामगढ, सुवासरा, कार्यालय भवन शामगढ़ हेतु श्रमिकों का प्रदाय।	मंदसौर	19.98
7.	2023_WRD_ 325227	मिट्टी एवं धातु परीक्षण प्रयोगशाला संभाग जबलपुर की प्रयोगशाला में स्थापित मशीनों का केलीब्रेशन सम्पादन कार्य।	जबलपुर	1.08
8.	2023_WRD_ 325382	बरखेड़ा मध्यम सिंचाई परियोजना के बांध सुरक्षा, संचालन एवं रख रखाव हेतु 4 नग अकुशल श्रमिक का प्रदाय।	धार	6.39
9.	2023_WRD_ 325772	लाईट मशीनरी एवं वि/यां उपसंभाग खण्डवा के भवन का अपग्रेडेशन कार्य।	धार	2.53
10.	2023_WRD_ 325733	मिट्टी एवं धातु परीक्षण प्रयोगशाला संभाग जबलपुर की प्रयोगशाला प्रयोगशाला में एक वर्षीय हाउसकीपिंग एवं संपादन कार्य।	जबलपुर	8.31
11.	2023_WRD_ 325751	सिंचाई परियोजना के पं प हाउस क्रं.3 से प्रभावित ग्राम जमनहाई पर 11 के.व्ही. विद्युत लाईन (काकलखेड़ी डी.एल.) के प्रतिस्थापन एवं अन्य कार्य।	सागर	5.80
12.	2023_WRD_ 326052	बण्डा सिंचाई परियोजना के पहुंच मार्ग से प्रभावित ग्राम रक्सी पर 11 के.व्ही. विद्युत लाईन के प्रतिस्थापन एवं अन्य कार्य।	सागर	6.53
			कुल योग	55.49

G-23251/23 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in